सीमा सुरक्षा बल

ब्लॉक नं.10, सी.जी.ओ. कॉम्पलैक्स
लोधी रोड, नई दिल्ली – 110003
टेलि.नं. 011–24360495

नई दिल्ली 16 जनवरी, 2015

प्रेस विज्ञप्ति

गणतंत्र दिवस की परेड पर – बी.एस.एफ. के पाँच दल।

आगामी 26 जनवरी को होने वाली गणतंत्र दिवस की भव्य परेड में '**रक्षा की प्रथम पंक्ति**' के नाम से विख्यात विश्व का सबसे बड़ा सीमा रक्षक बल –'**सीमा सुरक्षा बल**' महामहिम श्री प्रणब मुखर्जी, राष्ट्रपति भारत सरकार को अपने पांच दलों के साथ सलामी देने राजपथ पर उतरेगा।

सीमा सुरक्षा बल (बी.एस.एफ.) अपने जिन 05 दलों के साथ गणतंत्र दिवस की परेड में भाग लेगा, वो हैं –

1. **मार्चिंग कन्टिन्जेन्ट या पैदल दस्ता** : – गणतंत्र दिवस समारोह की परेड में भाग ले रहीं भारतीय अर्द्ध सैनिक बलों की टुकड़ियों में सबसे आगे चलेगा – सीमा सुरक्षा बल का '**पैदल दस्ता**'। सीमा सुरक्षा बल के 13 सीमान्तों से चुने हुए जवानों के इस दल का नेतृत्व करेंगे –' श्री राकेश कुमार, उप कमांडेन्ट, सीमा सुरक्षा बल। राष्ट्र के भिन्न–भिन्न प्रांतों से आए विविध भाषा–भाषी इन बहादुरों का दल सच्चे अर्थों में राष्ट्र की '**अनेकता में एकता** ' की झांकी प्रस्तुत करेगा।

2. **ब्रास बैंड** : – सीमा सुरक्षा बल का ब्रास बैंड पैदल दस्ते के ठीक पीछे '**विजयी भारत**' की धुन बजाता हुआ चलेगा। सीमा सुरक्षा बल के उप निरीक्षक पंकज रावल के नेतृत्व में फिजां को देशभक्ति की धुनों से सराबोर कर देने वाले यह बैंड, फन के माहिर और एक से बढ़कर एक वादकों का अनुपम जत्था है। यह बैंड आठवीं अखिल भारतीय पुलिस बैंड प्रतियोगिता 2006–2007 (जयपुर), 10वीं अखिल भारतीय पुलिस बैंड प्रतियोगिता 2009– 2010 (सिकंदराबाद) और 12 वीं अखिल भारतीय पुलिस बैंड प्रतियोगिता 2012 (नई दिल्ली), का विजेता भी रह चुका है।

3. **कैमल कन्टिन्जेन्ट या ऊँट दस्ता : –** देश में अपनी तरह के अकेले इस विशेष दस्ते का नेतृत्व करेंगे – श्री कुलदीप जे. चौधरी, कमांडेन्ट। रेगिस्तान के इन जहाजों को राजपथ पर देखने की उत्कंठा दर्शकों में अपने चरम पर होती है, और हर साल यह कन्टिजेन्ट पूरी परेड में आकर्षण का विशेष केन्द्र होता है। सीमा सुरक्षा बल के ये ऊँट घोर रेगिस्तानी क्षेत्रों व रण–कच्छ के दुर्गम इलाकों में संक्रियात्मक कार्रवाईयों में सीमा प्रहरियों के सच्चे साथी होते हैं। ऊँट सवार सीमा प्रहरियों व उनके दस्तों ने राजस्थान सीमांत और गुजरात सीमाओं पर अनेक तस्करों को पकड़ने में सफलताएं प्राप्त की हैं और नये इतिहास रचे हैं।

4. **कैमल बैंड :–** सीमा सुरक्षा बल का कैमल बैंड, यानि कि ऊँटों पर सवार होकर विभिन्न प्रकार के वाद्ययंत्रों से मधुर संगीत लहरियां निकालने वाला दस्ता पूरे विश्व में अपनी तरह का अकेला बैंड है। सीमा सुरक्षा बल के उप निरीक्षक फूला राम के नेतृत्व में राजपथ पर उतरने वाला यह बैंड सीमा सुरक्षा बल के राजस्थान सीमांत द्वारा सन् 1986–87 में खड़ा किया गया था। यह बैंड वर्षों से राजस्थान के 'मरू महोत्सव' और 'थार महोत्सव' की शोभा बना हुआ है और साथ ही 'टेटू शो' का अभिन्न अंग भी। अमेरिकी राष्ट्रपति ने 2010 की अपनी भारत यात्रा के दौरान दिनांक 5 नवम्बर को इस बैंड के प्रदर्शन को देखा था और काफी प्रभावित हुए थे।

5. **जांबाज (मोटर साईकिलों पर हैरत–अंगेज कारनामे दिखाने वाले स्टंटमैन) :–** सबसे कम संतुलन वाली मानी जाने वाली मोटरसाईकिल पर अपनी जान को हथेली में लिये फिरने वाले और अपने हैरत–अंगेज कारनामों से दर्शकों को दांतो तले उंगलियां दबा देने को मजबूर कर देने वाले ये सीमा प्रहरी अपनी स्थापना के वर्ष (सन 1990) से ही परेड का भी और दर्शकों का भी कुतुहल का विशेष केन्द्र बने हुए हैं। इस टीम का बेहद संतुलित और उत्कृष्ट प्रदर्शन ये सिद्ध करता है कि सीमाओं के ये सजग प्रहरी ना सिर्फ सीमाओं की रक्षा में ही पूरे मनोयोग और मुस्तैदी से तत्पर हैं, अपितु रॉयल इनफील्ड मोटरसाईकिलों पर संतुलन और लचीलेपन के नायाब प्रदर्शन से हवाओं का रूख अपने मुताबिक करने का भी दम रखते हैं। इन 'जांबाजों' को टेकनपुर, ग्वालियर स्थित सीमा सुरक्षा बल अकादमी के केन्द्रीय यान्त्रिक परिवहन विद्यालय (सी. एस.एम.टी.) में प्रशिक्षण दिया जाता है। अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर सन् 2006 में इन 'जांबाजों' ने अपना नाम 'लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्डस' में दर्ज करवाया था। तब तीन रॉयल इनफील्ड मोटरसाईकिलों पर 26 सवारों ने मानव पिरामिड बनाकर 1:16 सेकेन्ड में 01 किलोमीटर की दूरी तय कर रिकार्ड कायम किया था। दूसरा कीर्तिमान तब बना था जब एक मोटरसाईकिल पर 40 जांबाजों ने 32 मीटर की दूरी 48.11 सेकेन्ड में तय की थी।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर ये जांबाज निम्न प्रदर्शनों को दिखाएंगे :

- बॉर्डरमैन सैल्यूट
- साईड राइडिंग
- डबल लैड़र
- नेक राइडिंग
- हार्मोनी
- एक्सरसाइज
- योगा
- जांबाज
- पैरलर बार
- मानव पिरामिड
- गुलदस्ता
- सीमा प्रहरी
- फ्लैग

सीमा सुरक्षा बलः एक परिचय

'रक्षा की प्रथम पंक्ति' के नाम से विख्यात और विश्व का सबसे बड़ा सीमा रक्षक बल – सीमा सुरक्षा बल दिनांक 01 दिसम्बर 1965 से पश्चिमी और पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगलादेश) से लगतीं भारतीय अन्तर्राष्ट्रीय सीमाओं की रक्षा में दिन–रात लीन है। इस बल के दायित्वपूर्ण कंधों के ऊपर सीमाओं की सुरक्षा के साथ–साथ अन्य जिम्मेवारियां भी हैं, जैसे उग्रवाद एवं आतंकवाद से निपटना, माओवाद/नक्सलवाद से लड़ना तथा देश के अन्दर हालात बेकाबू होने पर विधि–व्यवस्था की स्थिति को बनाये रखने में प्रशासन की यथासम्भव मदद करना। साथ ही युद्ध में या युद्ध जैसी स्थितियों में सीमा सुरक्षा बल एक बहुउद्देश्यीय बल के रूप में कार्य करता है और अपनी पूरी क्षमता के साथ अपना योगदान राष्ट्र को समर्पित करता है। यह अद्वितीय बल देश के अग्रिम मोर्चे पर एक मजबूत रक्षा पंक्ति का निर्माण करता है और राष्ट्र को उसकी सीमाओं की संपूर्ण हिफाजत का भरोसा दिलाता है।

01 दिसम्बर 2014 को यह विशिष्ट बल उच्च कोटि की राष्ट्र सेवा करते हुए अपनी स्थापना के 50वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है और वर्ष 2015 को स्वर्ण जयंती समारोह के रूप में मना रहा है।

वी एन पराशर
मोबाईल न. 9868393408
Also visit us in http://www.bsf.gov.in/
Email: - probsfdelhi@gmail.com